

प्रेषक,

अनुप बघावन,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

संख्या : 1696/IV(1)/2009-70(कुम्भ)/2009

सेवा में,

मेलाधिकारी,  
हरिद्वार।

शहरी विकास अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक : 01 जनवरी, 2010

विषय: कुम्भ मेला क्षेत्र में कनखल सैक्टर में सतीकुण्ड आई.टी.आई. मुख्य मार्ग से मा आनन्दमयी मार्ग पर एस.डी.बी.सी. कार्य हेतु संशोधित लागत की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपयुक्त विषयक शासनादेश संख्या- 321/VI(1)/2009-70 (कुम्भ)/2009, दिनांक 10.08.2009 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा अधिशासी अभियंता, हरिद्वार विकास प्राधिकरण, हरिद्वार द्वारा उक्त कार्य हेतु प्रस्तुत आगणन रु. 4.43 लाख के सापेक्ष तकनीकी परीक्षणोपरान्त संस्तुत रु. 4.43 लाख की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति देते हुए उक्त धनराशि को व्यय किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गयी है। तत्काल में आपके पत्र संख्या- 913/कु.मे./ह.वि.प्रा. दिनांक 13.08.2009, पत्र संख्या-1811/कु.मे./शक्ति नहर खण्ड, दिनांक 4.09.2009 एवं पत्र संख्या-3335/कु.मे./श.न.ख.-3, दिनांक 9.12.2009, जिसके द्वारा उक्त कार्य को शक्ति नहर निर्माण खण्ड-3, सिंचाई विभाग, हरिद्वार को हस्तांतरण की सूचना भी दी गयी है, की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उक्त स्वीकृत कार्य के संशोधित आगणन रु. 23.97 लाख की तकनीकी परीक्षणोपरान्त संशोधित लागत रु. 20.44 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान करते हुए अवशेष धनराशि रु. 16.01 लाख (रु. सोलह लाख एक हजार मात्र) की धनराशि को भी वित्तीय वर्ष 2009-10 में आहरित/व्यय किए जाने की श्री राज्यपाल निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के साथ सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. उक्तानुसार संशोधित/पुनरीक्षित आगणन की स्वीकृति अपवादस्वरूप निर्गत की जा रही है एवं इसका किसी अन्य निर्माण कार्य की स्वीकृति के सन्दर्भ में दृष्टांत के रूप में प्रयोग नहीं किया जा सकेगा।
2. उक्त कार्य हेतु कुल धनावंटन में से पर्योजना निगम द्वारा पाइप लाइन डालने के फलस्वरूप रोड कटिंग चार्ज हेतु उपलब्ध कराई गई धनराशि धटायी जाना सुनिश्चित कर लिया जाए।
3. यदि पूर्व अधिभुक्त धनराशि बैंक में रखकर उस पर ब्याज अर्जित हुआ है तो उस समस्त अर्जित ब्याज को राजकोष में ट्रेजरी चालान से जमा करके उसकी फोटोकॉपी शासन को अविलम्ब उपलब्ध करवाने का दायित्व मेलाधिकारी का ही होगा।
4. धुंकि निविदा में प्रायः एल-1 निविदा (न्यूनतम निविदा) आधार पर स्वीकृत लागत से कम धनराशि व्यय होना सम्भावित है। अतः न्यूनतम सम्भावित व्यय के अनुसार ही कम धनराशि आहरण की जायेगी तथा आहरित धनराशि के सापेक्ष कोई धनराशि बचत होती है तो उसे तत्काल राजकोष में जमा किया जायेगा।
5. उक्त कार्यों को इसी धनराशि से पूर्ण किया जाएगा एवं आगणनों का पुनरीक्षण किसी दशा में अनुमन्य न होगा। साथ ही यदि अन्य स्वीकृत कार्यों के कारण सड़कों/मार्ग क्षतिग्रस्त हुआ हो और उस कार्य की स्वीकृत लागत में इस हेतु धनराशि की व्यवस्था की गयी हो तो तदनुसार उसके सापेक्ष लागत में समायोजन किया जाय।
6. योजनान्तर्गत प्रस्तावित कार्यों का निकटता से पर्यवेक्षण किया जाए। इसके लिए निगमानी समिति का गठन कर लिया जाए।
7. कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व शासनादेश संख्या-475/XXVII(7)/2008, दिनांक 15 दिसम्बर, 2008 की व्यवस्थानुसार निर्धारित प्रारूप पर अनुबन्ध निष्पादन की कार्यवाही सुनिश्चित कर ली जायेगी।
8. स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.3.2010 तक उपयोग करके कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण तथा उपयोगिता प्रमाणपत्र शासन को प्रस्तुत कर दिया जाएगा।

9. कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता के लिए सम्बन्धित अधिशासी अभियंता/मेलाधिकारी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
10. उक्त धनराशि का आहरण मेलाधिकारी, हरिद्वार के आहरण वितरण कौंड से किया जाएगा।
11. उक्त कार्य या इसके किसी भाग हेतु यदि विभागीय बजट से कोई धनराशि अवमुक्त की गयी है तो उस सीमा तक धनराशि का कोषागार से आहरण न करके शासन को सूचित कर दिया जायेगा।
12. शेष शर्तें एवं प्रतिबन्ध उक्त शासनादेश दिनांक 10.06.2009 के अनुसार लागू रहेंगे।

2- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय शासनादेश संख्या-1614/IV(1)/2009- 39(साम0)2006-टी0सी0 दिनांक 24.11.2009 के द्वारा मेलाधिकारी, हरिद्वार के निवर्तन पर रखी गयी धनराशि रु0 100.00 करोड़ के सापेक्ष आहरित किया जायेगा तथ पुस्तकान तदस्थान में वर्णित लेखशीर्षक में किया जायेगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के अशास. 350/XXVII(2)/2009 दिनांक 31 दिसम्बर, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(अनूप वधावन)  
सचिव।

संख्या : 1696 (1)/IV(1)/2009 तददिनांक 01/01/2010

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निजी सचिव, मा. मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड।
2. निजी सचिव, मा. शहरी विकास मंत्री जी, उत्तराखण्ड।
3. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी प्रथम), उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. महालेखाकार (ऑडिट), उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. स्टाफ आफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
6. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
7. जिलाधिकारी, हरिद्वार।
8. वरिष्ठ कोषाधिकारी, हरिद्वार।
9. वित्त अनुभाग-2/वित्त नियोजन प्रकोष्ठ, बजट अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
10. निदेशक, एन.आई.सी., सचिवालय परिसर, देहरादून, को इस अनुरोध के साथ कि नगर विकास के ज ओ में इसे शामिल करें।
11. अधिशासी अभियन्ता, शक्ति नहर निर्माण खण्ड-3, सिंचाई विभाग, हरिद्वार।
12. गार्ड बुक।

आज्ञा से,

(सुभाष चन्द्र)  
अनु सचिव।